

न मांगो कान्हा- आज दही को दान
 सास- ससुरकी..... गारी खाऊँ
 है चिन्ता में जान

न मांगो कान्हा-----

जेठ- जेठनी..... रार मचावै
 ले- चाहे ईमान

न मांगो कान्हा----

नंद बबा से..... जाय कहूँगी
 दूँगी- खिचा तेरे कान

न मांगो कान्हा-----

घट-घट के तुम..... जाननहारे
 आज "श्रीबाबाश्री" मेरी मान

न मांगो कान्हा-----